

राज
कॉमिक्स
विशेषांक

आतंकवादी
बाहरिया
द्युमेनो बालो

मूल्य 30.00 संख्या 2300

Part-2

SPAIN



जो मानवता का कातिल बनेगा उसे डसेगा...

आतंकहारा बाहरीजा

जो रेंग रहा है हर उस
शैतान की तलाश में
जो मानवता के
ख चैन में आतंक का जहर
भर रहा है।

सावधान!

इस बार नागराज का निशाना है-

स्पेन

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

ब्यूमेट्री ऑडो

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!!

परिकल्पना

: विवेक मोहन, द्वितीय

लेखक

: संजय गुप्ता, तरुण कुमार वाही

पेसिलिंग

: ललित कुमार शर्मा

इंकिंग

: जगदीश कुमार

कलर इफैक्ट्स

: नागेन्द्र, जौन पॉलोस,

सम्पादक

सीजो जौन, साहिल

: मनोष गुप्ता



" साझा का फ्लैट - "

" समय 4:00 AM - "

" महज पांच घंटे पहले साझा के हाथों एक निर्देश पिज़ज़ा डिलीवरी द्वाय की सौत हो गई थी - "

" एक आम लड़की की तरह - "

" वह डरी और सहभी हुई थी - "

नागराज ! मैं तुम्हें एक बात तो बताना भूले ही गई !

पहले ये बताओ कि विहस्की में सोडा लोगों या पानी ?

मैं सिर्फ दूध पीता हूं !

दूध ?

हाँ !

मजाक बत करो ! जल्दी बताओ !

सोडा या पानी ?

मैं विहस्की नहीं पीता, उसकी जहर औलैटी भी अंदर बहुत है !

मैंने साझा को अपनावे की युरी कोशिश की - "

" फिलहाल वह नॉर्मल है - "

०० ०

नागराज !

तुम्हारे लिए दूध !

थैंक्यू !

नागराज ! सुना है ! सांप को दूध पिलाओ तो भी गो हमने से बाज नहीं आता !

सांप को अब तक खेड़ा न बना, गो नहीं हमना !

" आर्ह... या इश्यद नहीं - "



“ और मैं उसे जाने लहीं देता चाहूँगा- ? ”

उसने बदल दुकरा दी-

मूल की-

जागराज ने झानदार
भवाव दिया।

कफर आने में
मैं तुम्हारी भद्र कर
सकता हूँ !

थान

थान

ओ !

आ... आह !

कुछ सेकंड
यहाँ लोको नामुख !

ये लोरे कबरे
के माझाज के नुकसान
के लिए !













साक्षर शूप में
मी की आवाज बुचड़
की हंडिकेट करती है,
साक्षराज !

दिलवरि के
लिए बुचड़ संभव
का द्यापार करता
है !

मेड्रिड में डमका
अपना स्लाइर हाउस
हाती बुचड़ गयी है, जहाँ
वो पश्चुओं की काटना
है !

उसकी ही
बेरहस्ती में...

“... जिसकी बेरहस्ती मे इस्माजों को काटता है ?”

जोर केर भारी राह ?
असेम्बर ! और तुम अभी
ये मलहु मे रखवाए देते
आ राह !

था!!!!

खत्म होगा !



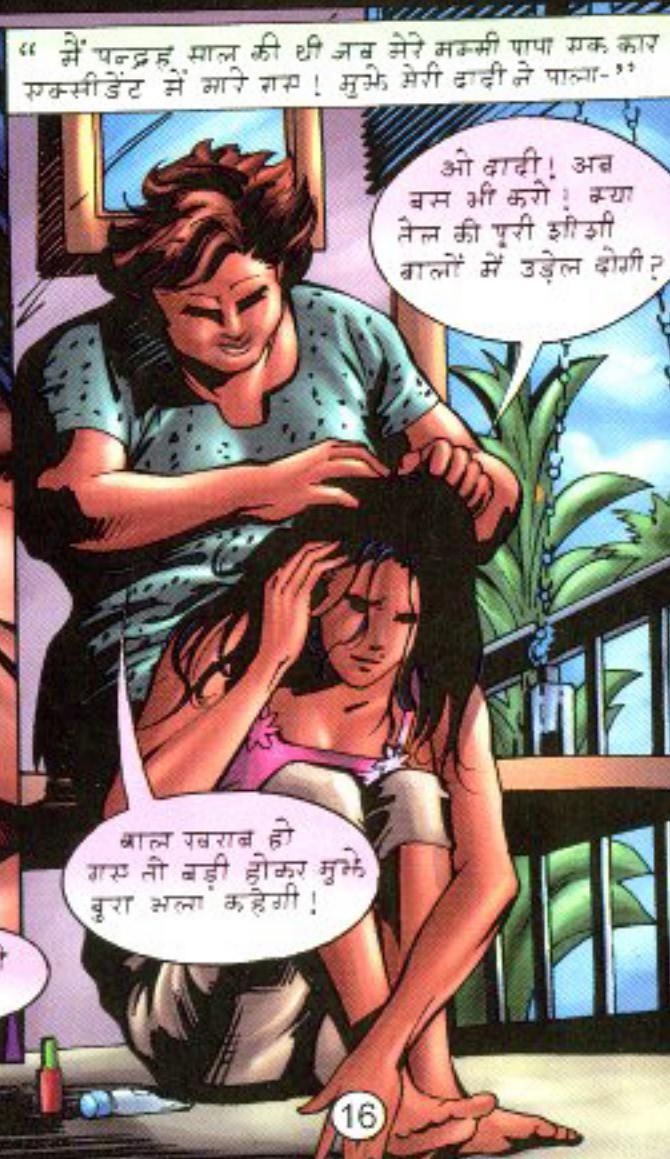
“ बची तो सिर्फ क्रारता - ”













DEEPMALA
CHAUHAN

सुपर इडियन, परमाणु, इंफेक्टर स्टील, शोकल, अश्वराज, गोजो की सम्मिलित शक्ति क्या कर पाएगी कल का अंत?

अंटकाल

Part 4
(अंतिम भाग)

"यहली बार सारकोस की योगी मेंजे पकड़ी।"

ओफक! लाडर
जाते ही इरीर पमीजा
पमीजा हो जे नजा!

चबरा ओ नहीं!
होटल का द्वाक जेजेरर
गाल कर रहा होरा वाकि,
पमी, अैल हो यके!

तुम्हारे चेहरे पर
पमीजा नहीं आ ग्या सारकोस!
नुक्हाग बाली डारीर पमीजे
में लधारद थो रजा है!

ह... हो!
मुझे चेहरे पर
पमीजा नहीं आता!

सारकोस ! मण तुम्हें
अप्पे चेहरे पर किसी का
अहसास नहीं हो रहा ?

कूछ है
क्या ?

नहीं ! बास
गाल पर नहीं, बास गाल
पर है ! सक चीटी !

कमाल है तुम्हें चेहरे पर
महसूस नहीं हो रहा ? चीटी का
शरीर के किसी भी हिस्से में यहला
स्कवरम से रकड़ जो आ जाता है !
उहरी ! मैं हाँ देनी हूँ !

ये... ये
क्या कर रही
हो साड़ा ?

आ... ह !

नहीं
हो !



सारकोम की भी तुम्हें यक्क जा सक दिन रोजा ही होगा!

उमकी मौत पुलिम दा मेरे हाथों सिवित है!

‘मार्क्सरा’ में ‘स’
की उचित आर्टर लेकोने की
सचिक है। लेकोने इसमें
वेलेंडिया में ही मिलता।

मैं ट्रेनिंग
रजिस्ट्रेशन से टिकट लेकर
आयी हूँ!

तब तक मैं जो
मैं जान कर रहूँ : उन्हे
पता होता था कि कि
फिलहाल मैं बैठिड छोड़
रखा हूँ !

ठीक है!
अब यह जरा जलदी
कर दो !

और वहाँ
अब सर पाते ही...

नागराज ! वेलेंडिया में
याटिंग रेसल प्रतियोगिता
होती है !

और ऑर्चर
लेकोने ऑर्चरी के
अन्तर्गत इस रेसल का भी
उपीकील ही नहीं जाहिर
मैं हूँ !

" याटिंग रेसल प्रतियोगिता - "

" बेलेंशिया - "



नागराज भी डस फैड में जामिल हो गया-

शुक्र है नेरा रंग-रूप
किसी को हैरान नहीं करेगा,
झ्योंकि कई प्रतियोगी अपने देश
के इवजों और अज्ञोरवे देशों से
रंग हूँगे !

" याटिंग में याट नीकाओं
को उनके याल हिलाते हृष्ण हवा
की दिशा में आगे बढ़ना होना
है - "

" तेज समुद्री हवाओं
के द्वारा याल रुक सरह में
स्टेपरिंग की तरह काम
करते हैं - "

" चूक करने वाले चिलाड़ी चीज़े रह जाते हैं - "

उफ !

" और जो माहिर हैं वो
आवी लिकल जाते हैं - "











"तीन मिलट पहले आर्द्धर जैकोने समुद्र में गिरा था। और अपनी ताक बाहर नहीं आया -"





माझा की रवत्स
कर दो ब्रेवकूफ गो हुसारे
राज लाजाराज को दे रही
हैं !

ओ- के,
सुश्रीभी !

स्याहा अज्ञान थी उस घटने से -

तेकोते लगा
नहीं है माझा, उसका
ग्वान हुआ है !

द्या मनलब ?
अभी तुम्हे ही लो कहा था
कि उसे स्टिंग-रे जाइली के
जहर ले लारा है !

हो ! कहा था ! माय
स्टिंग-रे उसकी बंद गले की
उस तंग छार्ट में कैले धुम गड़,
गे छार्ट जो नीचे से ब्रेवल में
धुमी हुई थी !



“नाइट क्लब -”

“8-00 P.M. -”

नारागाज !
ये नाइट क्लब प्रेसी जोड़ो
के लिए आदर्ज स्पैल के
स्वयं से प्रसिद्ध है। यहाँ
मैं मारकोम के साथ कई
बार आई हूँ।

“मैंने दिल का रक्त हिम्मता उज कार्फ्स के
वरे से साचाने हुए बिताया।”

तो फिर
प्रेसी जगत र
सुभें छोड़ द
हो ?

“और फिलहाल अब तक
परिणाम शुद्ध है।”

माझा की ओरचे जड़ीली
ही उमीँ।

क्यों ?

क्या तुम्हारे प्रेम
की ज़रूरत नहीं है ?

क्या तुम्हारे मीने
में दिल नहीं है ?

लोग दिल जलनी
हुई इस मामवनी की
वजह है माझा जो जलकर
रोशनी मैंदा करती है।

किसमें हिम्मत
है जो मेरे माथे जलना
चाहेगा !

चारों ते
जलकर जलने का सजा
ना हील नारागाज नी जा शकी
जलनी और जा उम्मी ली
में जाकर जलती रहेगा।

लेकिन मैं
तुम्हें मरने नहीं
दूँगा !

साता जर्द तक लालगराज की गान का सर्व समझी, तब तक देर हो चुकी थी-

ठिंड!!

उफ! लालगराज!
ये क्या किया है? मैरी मौत
के आगे अपना मीला रखवा
दिया?

मैंनी हिमाकत
करके गाने को
कहचा देता जाएगी
साता!

अब कहाँ
मेरे हाथ आसनी
से बिजाती!

“किसी लड़ाई को जीतने
के लिए यह छोड़ा से
भी उत्तम जिम्म दीज की
अक्षरत होती है-”

“किसी भी युद्ध कला
के बारे में ऐसा बात
कही जा सकती है-”

3/444!

“छोटे लाकृत को
बढ़ाने वाला होना
चाहिए-”

साड़ा की जाल सरते में
आ गई थी -

शिकारी बिल्ली
समझती है अपने
आप को

विंग डिकार
में करता!

गोली मार ही देना
हो साड़ा की -

मुंह से भीते भाग दिया तो
एडा उम्रका बेजाल जिएगा -

ह... जागराज! ह...
तुम... तुम ठीक
हो ?

सार जागराज की उपस्थिति
में दो काम थीड़ा बुकिल था-

बुकिल अगर में उम्रे
एक चल का भी आवास और
देना तो ये तुम्हें गोली मार के

उफ! साड़ा !
मैं हमें जिकड़ा पकड़ना
चाहता था !

जागराज के उलझी
कैप हडाड़े

आह!

नुम्हें बचा
जाएगा थी उम्र वह
आकृतण करते की !

ह... तुम्हें गोली
लगाने देवत जै अपना
आया रवी बैठी थी,
जागराज !

बुकल पर
गोली, चाकू का
आमर जहरी लोता
साड़ा !

उफ! मैं
ये बात खल
जानी हूँ !

ओह! जागराज
ये कूटा है ! सर्फी
छुटर !

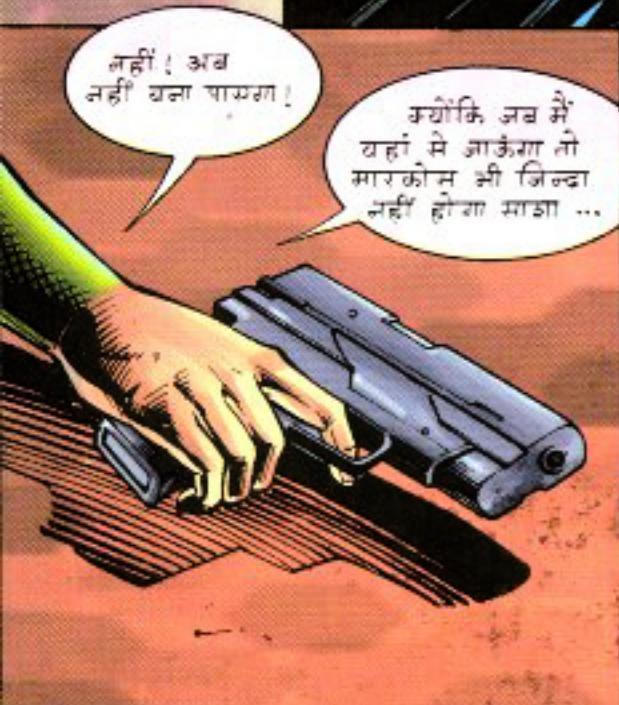
जाम्बर में प्रदाम
मस सारकोम के लिया ओह
कूटरा लज सर्फी के लिय प्रदाम
होना है !

ओह!









मैं तो तुम्हें उसी पल पहचान गया था जब तुमने बंद दरवाजे के बाहर चिज़ा डिलीवरी बगाय को स्कदम मटीक निशानी से मार डाला था! मैंमे निशाने लड़ाई में कच्ची विलाड़िन दिरबती साझा के बजे का रोश नहीं थे!

मैं तुम्हें तभी पहचान गया था मारकोम जब तुमने लड़ाई में टैडी को हथियार बनाकर मेरी तरफ उछाल के का था!

और तुम्हें मैट्टिड में सक ही आरब्स था जो मास्क बनाने में मिल्दे हुए थे! और वो था मोटी!

जो जे गे पांच रोहरे मोटी की दिग्गजास जो तुमने ताने अलबर्म में दिग्गज थे! हाँ जैसे तो फोटो अलबर्म में गायब करके जो तक पहुंचा थिये!

मोटी ने बताया कि तुमने वैसे सास्क बलाए थे और उन्हें सक प्रोडक्शन में जे उमर्मे ले जाती थी...

... जो सक लड़की थी और जब जो जे उसे तुम्हारा फोटो दिग्गजा ने तुमने उसे पहचान लिया! वो लड़की तुम ही थी!

तुमने ही पानी के लीचे आर्द्धर को मिट्टी के डंक से मार क्योंकि मैंने तुमसे उसे जिन्दा पकड़ने की बात की थी! तुम उसे मेरे हाथ जिन्दा नहीं बढ़ने देना चाहती थी! फिर मर्डी के कल्ले के लिए मैं तुमने जान-बूझकर सेसी स्थिति क्रिमट की कि, तुम्हें बचाने के लिए मैं उसे टुक्रे मारूँ ही मारूँ! सौका देखकर तुम सुने भी सार डालने की थीं जल्दा बला रही होंगी! गेम बहत अच्छा था साड़ा! तुम्हारी मुनाई गर्भ कहानियाँ भी अच्छी थीं! मगर तुम्हारा अंत अच्छा नहीं होगा! तुम्हारी मौत मैं पहले मैं जानना चाहता हूँ कि तुमने अपने ही ग्रुप के सदस्यों को क्यों भरवाया?

और उसका ठाकू भेरे पेट में छुस गया था! मगर अफसोस कि वो हथियार सुने मार नहीं पाया! तुमने गो कोशिश इसलिए की थी ताकि जागराज को मार पाओ! तुम्हें पुर्व सुचना ही युकी थी जागराज जाम की इस तबाही के मैट्रिड आगमन की! मेरी डाकियों की देखकर तुम हतप्रभ थीं! तब तुमने अपने ग्रुप की तबाही के लिए मुझे अपने साथ रखा, और मैं भी वो अरमान रोजा नहीं चाहना था!

मुझे तो मास्कर की तबाह करना ही था तो उसकी तबाही से पहले मैं ये रहस्य तुम पर भला क्यों उजागर करता कि मैं तुम्हें पहचान चुका हूँ! डुमी बीच में तुम्हारे मारकोम हीने की पूरी गारंटी कर लेना चाहता था! इस काम के लिए मैंले जो को चुना! जो को मैं सम्मी ही फोल नहीं करता था! तुमने बताया था कि मारकोम मास्क लगाता है!



द
ड़ा.
क

मुझे पता था नागराज कि
मेरे शूप के लोग मारकोन की हस्तिकन मा
पता त्रिशूल के लिए मेरी आमुसी कर रही थे।
आयर उन्हें मेरे मारकोन होने का शक ही नुका
था ! उनकी जौन की इस रज़ह के अलावा क्या और
रज़ह थी ? न्यूज़ीलैंडों से न्यूज़ीलैंडों का
का सनस्तव है नंबर वन ! अपनाई जगत के उन
जार नगरमालों को मारकर भैं अकेली नंबर
वन बनना चाहती थी !

और मैं लंबा
वज़ बल चुकी हूँ नागराज !
अब जल्दी ही मेरा सिंशान
पूरा होगा और अपराध
जगत में नारकीय का
डंका चमेगा !

उम्हारी कब्र
यहीं बने, उम्हारी डंतजाम
मैंने कर दिया है ! ये
देरलो ! हाहाहा !

वार्मीलोज़ा ला मर्स केस्टिवल -

इस केस्टिवल में सौ से भी ज्यादा
विभिन्न स्ट्रिडीज़ होती हैं -

जैसे

ठज़में से रुक थी फायर वन यारी कीणोंक-



अर्थात् चिंकारियों की गारिजा
में रहते हैं -

आज हम उन्मत्त के, विशेष मैहसूस
एवं इटली के प्रैजीडेंट

लेनाजा रीड कोर्पोरेशन का विविधि के
लिए बंद कर दिया गया था।

इन चिंगारियों
में पदार्थों के फटके
में लोग जलते नहीं।

अद्भुत ! ये महान
उन्मत्त हैं ! ड्रैगन कार्य
ब्रिफिंग अति गोचरक
है !

मगर ये गुली थी उन्मत्त के
होताहों के आगमन के लिए-

हाँ ! ये
लोग फायर मूर एवं
होते हैं !

ओ... और ये
रोकेट तो हमारी ओर
आ रहे हैं !

रोकेट को हवा में ही उन्मत्त
संघरणी ने धारा लिया-

वे चांग कहां से आ
गए ? क्या ये भी उन्मत्त
का हिस्सा हैं ?

ये उन्मत्त का
हिस्सा नहीं हो
सकते !

उमेर रोकेट
लाइर में छागा
गया है !

मर्यादमी रोकेट को
आकाश में ले उली-

विडिएट व्यक्तियों
के हीड़ उड़े हुए हैं-

वे साजिश
ही !

मेरे कल्प
की साजिश !

कृत !

वे नागराज के जिसे
इस साजिश में आपको बचाया
नहीं पह चाहता है ! जहाँ सोप
रहा नागराज !

विंगरियां जागरात के द्वे हरे पर उड़ रही थीं-

मुझे जिखा और
यहाँ देखना चाहा है राज हो
मारको जान !

मुझे पता था कि तुम
अपना मिशन पूरा करने यहाँ
जरूर आओगी, और ये भी जानता
था कि कौतानों के द्वारा ही अपेक्षी
इयोकि तुम्हें यही रूप दूर
करता है !

द्वीपल में विष्णुट के
साथ ही मैं सलवे के लिए
दृश राशा था, लेकिन मेरे कारीर
में बास करने वाले दैवतों मर्यादा
में जनीज बढ़कर मुझे सलवे
के नीचे दी जी दै दै विष्णुल
दिया था ।

वहाँ में जिक्रहोंसे मैं
उहाँ सूरीसी की जैव में
मैं भी मैं एक कार्ड ब्रेक
कर दूका था ।

मुझे पूरा बहीन है
कि ये कार्ड यैमने ही
उब चारों को मैंजे हैंगे ।

यहाँ बुल्लने
के लिए ।



तुम उन्हें यहाँ प्रेजिनेंट
की हत्या करने के लाव इशाद
गांडालसे गाली दी... ।



... मगर उससे यहले मैं
तुमसे टक्का गांड और तुमसे मेरी मदद
में यारों को मैरू. लक लर यहले ही मगरा
डाला। भुल वे जारी ही कि वी कार्ड उनकी
जेबों में गायड झड़ीं किया ।

जो काईस ही
माने यहाँ ने आएँ; उन
वारों के काईस को जीवकर
जो कल् बना वो इस प्रैटर
था।

गर्भिलोला !
यानी कि जंगल !

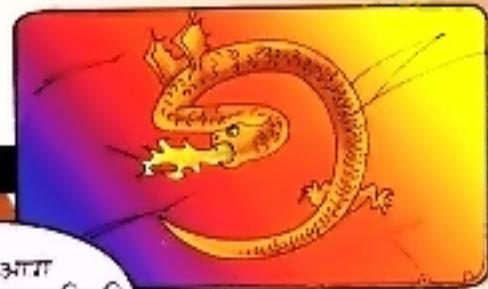
ME
RC
E08

यादरेटेलिंग
जो यानी कोरेफोन !

X
Festival
Piròt ecmic
Internacional
de Barcelona

ला-लर्म
फ्रेस्टिगल ; यानी कि
दिन 26 से 28
मिस्ट्रेचर !

मुंह से आग
उगाल ना देश्वान यानि कि
मड़र बैपल !



तबने कहा था
कि बैल्ड ही तुम अपना
सिकाल छुता कर ले गोरी !

तो मैं तमस्क राणा कि
तुम दम्भी उत्तमर से लोई राड़-
गढ़ करने वाली हो । तम्हारे
नाड़क का पटाकोप ही धूम
है मारकोप !

लेकिन तुम
मुर्दे नहीं करव
सकते रागराज !

अबार तमाजे मारकोम
को जार दिया तो तुम अपने
गाढ़े पर रखो नहीं उत्तरोगी क्षणोंकि
मारकोम के साथ ही ले साड़ा भी
मर जाएगी । जिसे तुमने प्रोटोक्ट
करने ला गदा किया है :



नागराज ने प्रेजीडेंट की हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया था-

मगर उसका रवृनी सफर कसी रक्तम नहीं होने गलौ था-

मयोंकि अभी उसे तलाज थी मारकोस को प्रेजीडेंट की सुपारी देने गले की -



Ramayana



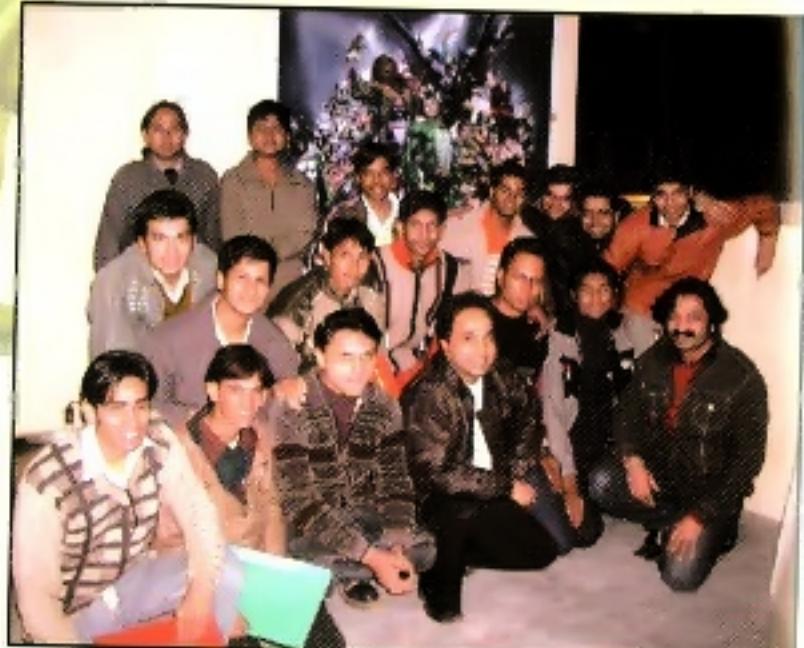
प्यारे नागराज प्रेमियों,

न्यूयरो ऊनो आपके हाथों में है। आशा है आपको नागराज का यह सस्पेंसफुल स्पेन एडवेंचर पसंद आया होगा। नागराज खत्म कर दिया स्पेन से मास्वर का आतंक और साथ ही खत्म हुआ मारकोस भी। मारकोस उर्फ साशा। एक खूबसूरत बला जिसने अपनी चालाकी से नागराज की आंखों में धूल छोंकनी चाही लेकिन नागराज ठहरा नागराज। वह साशा को बहुत पहले भी बलिक पहली मुलाकात में ही पहचान गया था। होटों के ऊपर काला तिल लिए, हरी आंखों वाली यह बला अपनी चालों पर मन ही मन बहुत खुश हो रही होगी कि नागराज जैसे शम्भु को बेवकूफ बना रही हूँ और अपना काम निकलवा रही हूँ। वो भी विश्व आतंकवादहर्ता नागराज को अपना बॉडी गार्ड बनाकर। लेकिन नागराज तो खुद उसकी चाल पर अपनी चाल खेल रहा था। वो खुद उसके सहारे मास्वर के सभी सदस्यों तक पहुंच रहा था और अंत में नागराज ने अपना काम बखूबी निभाया। मास्वर का सफाया हुआ। मारकोस हुई नागराज के जहर से नीली। लेकिन क्या इतनी आसानी से मर गई होगी वो खूबसूरत बला। बलाएँ मरा नहीं करती। साशा फिर लौटेगी। कब, कैसे, किस रूप में? यह अभी नहीं बता सकता। आज दिनांक 16.02.08 को यह ग्रीन पेज लिख रहा हूँ। आशा करता हूँ कि 26.02.08 तक यह कॉमिक मार्केट में पहुंच जाएगी। अब वर्ल्ड टेरोरिज्म सीरीज की अगली कॉमिक होगी ऑप्रिशन सर्जरी जोकि मार्च में रिलीज होगी। ऑप्रिशन सर्जरी में नागराज जा रहा है लंदन। हालांकि नागराज को निकलना था इटली के लिए लेकिन स्पेन एवरपोर्ट पर नागराज का सामना हुआ एक ऐसे शम्भु से जिसके कारण नागराज को अपना इटली सफर पोस्टपोन करना पड़ गया और उसे एमरजेंसी में जाना पड़ा लंदन क्योंकि लंदन में हुआ एक आतंकवादी हमले का आरोपी बना एक हिंदुस्तानी डॉक्टर। पूरे विश्व में हिंदुस्तानी डॉक्टर्स को शक की निगाहों से देखा जाने लगा। हिंदुस्तानी डॉक्टर की मां चीख-चीखकर अपने बेटे की निर्देशिता की गुहार लगाती है पर हर कान है बहरा। नागराज के कान उस हिंदुस्तानी मां की फरियाद सुनते हैं। वो उसकी आवाज को अपने दिल से महसूस करता है और लंदन में निरंतर जारी आतंकवादी डॉक्टर्स के हमलों के बीच कूद पड़ता है। क्या नागराज हिंदुस्तानी डॉक्टर को निर्दोष साखित कर सका? यह जानेंगे आप सस्पेंस, एक्शन, एडवेंचर से भरपूर कॉमिक ऑप्रिशन सर्जरी में।

अब बात करते हैं नागायण सीरीज की। इस सीरीज की पांचवीं कॉमिक्स दहन काण्ड का आर्टवर्क अनुपम जी पूरा बना चुके हैं। कॉमिक्स पर इंकिंग व कलरिंग जारी है। कहानी बहुत जबरदस्त हंग से अपने राज खोल रही है और नए राज भी बनाए जा रही है। विषांक टकरा गया है क्रूरपाशा से। क्या नागशक्ति ब्लैकपॉवर पर भारी पड़ेगी? नागराज से टकरा गया? ब्लैकवुड और नागराज की रक्षा के लिए आना पड़ा द्वोण को। तो क्या नागराज एक बार फिर ब्लैकपॉवर्स का गुलाम बन गया? ब्लैक कैट और नताशा से टकराने जा रही है एक शक्तिशाली पॉवर। जी हाँ उनके सामने आ खड़ी हुई है ममी। ऐसे और भी बहुत सी रोमांचक सिचुएशन से आप दो-चार होने जा रहे हैं अप्रैल में। दहन काण्ड के पश्चात् नागायण सीरीज का छठा पार्ट होगा रण काण्ड। रण काण्ड के विषय में आपको आगामी ग्रीन पेज में बताऊंगा।

बोर्न इन ब्लड। सो जा डोगा इसी सैट के साथ प्रकाशित हुई हैं। वह तीन पार्ट की सीरीज का अंतिम पार्ट है। इसके बाद शुरू होने जा रही है वफा सीरीज जोकि दो पार्ट्स की सीरीज है। वफा के बाद आनी थी डोगा हिंदू है सीरीज लेकिन इस सीरीज से पहले कुछ बदलाव किया गया है अब वफा सीरीज के बाद आएगी एक्सप्रेस हाइवे सीरीज। इस सीरीज में डोगा का मुकाबला होगा अपनी जिंदगी दांव पर लगा देने वाली युवा पीढ़ी से। जो रफतार के आगे जिंदगी की कीमत नगाह दिया है। अब रफतार और एक्सप्रेस हाइवे ही उनके माता-पिता हैं और बाइबस हैं उनके प्रेमी-प्रेमिका जिस पर चिपककर वह अपने माता-पिता को चुनौती दे रहे हैं। कॉमिक्स की अहम किरदार है धारा। धारा एक मासूम लड़की इस कॉमिक्स के, डोगा की जिंदगी के एक महाखलनायक सरकार की बेटी। सरकार जोकि डोगा की पसलियों पर बार करता है और डोगा भौंचका से देखते रहने के सिवाए कुछ नहीं कर पाता। वह महाखलनायक मुम्बई के युवा वर्ग को मौत के कुओं में धकेले जा रहा है लेकिन प्रशासन और डोगा मजबूर हैं। उसके खिलाफ कुछ नहीं कर सकते। ऐसी ही शख्खिमयत है सरकार। सरकार की बेटी धारा जब अपने पिता के खिलाफ बगावत का बिगल बजाती है तो मासूम कली से बन जाती है बिजली। तब उठता है एक जलजला। क्या डोगा उस जलजले को रोक पाता है? जानेंगे आप एक्सप्रेस हाइवे में।

प्रिय पाठक मित्रों इस वर्ष जनवरी में राज कॉमिक्स ने आयोजित किया राज कॉमिक्स टेलेट हॉट फोर दा जेनरेशन नेक्स्ट राइटर्स। जिसमें राज कॉमिक्स बेबसाइट के बहुत से मेम्बर्स ने हिस्सा लिया और ये सभी फैन्स दिल्ली पहुंचे। जनवरी 25, 26, 27 में राज कॉमिक्स, दिल्ली में लगा फैन्स का मेला। मैं यहाँ उन्हीं लम्हों की कुछ तस्वीरें दे रहा हूँ। जिनमें राज कॉमिक्स फैन्स के साथ है राज कॉमिक्स आर्टिस्ट की टीम।





पत्र हर्म आप इस पते पर भरें : ग्रीन पैज नं. 268, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1 बुराड़ी, दिल्ली-84

orum पर अपनी पोस्ट आप www.rajcomics.com पर करें।

धन्यवाद

आपका—संजय गुप्ता
GREEN PAGE NO. 268

<http://onlineindiancomics1.blogspot.com>